शहर में गैस संकट या वितरण में गड़बड़ी?
आम जनता परेशान, कालाबाजारी पर उठे सवाल
एचपी गैस बुकिंग 541631, 16 मार्च 2026 का अभी तक नहीं पहुंची होम डिलेवरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा (मनीष गड़करी)

छिंदवाड़ा जिले में इन दिनों रसोई गैस सिलेंडर को लेकर आम जनता भारी परेशानियों का सामना कर रही है। एक ओर सरकार बार-बार यह दावा कर रही है कि गैस सिलेंडर की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति हो रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। आम उपभोक्ताओं को समय पर गैस सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है, जिससे उनके दैनिक जीवन पर गंभीर असर पड़ रहा है।

हाल ही में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भी इस मुद्दे पर बयान देते हुए कहा कि गैस की कोई वास्तविक कमी नहीं है, बल्कि पूरी समस्या वितरण व्यवस्था में गड़बड़ी की है। उनका यह बयान कहीं न कहीं जमीनी स्थिति से मेल खाता नजर आता है। यदि गैस पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, तो फिर उपभोक्ताओं तक समय पर सिलेंडर क्यों नहीं पहुंच पा रहा यह एक बड़ा सवाल बन गया है।

16 मार्च की बुकिंग, अभी तक नहीं मिला सिलेंडर

एक ताजा मामला सामने आया है, जिसमें एक उपभोक्ता ने 16 मार्च को गैस सिलेंडर की बुकिंग कराई थी, लेकिन आज तक उसे सिलेंडर नहीं मिला। उपभोक्ता लगातार एजेंसी और संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन उसे संतोषजनक जवाब नहीं मिल पा रहा। इस तरह की घटनाएं अब अपवाद नहीं रहीं, बल्कि आम होती जा रही हैं।

निचले स्तर पर कालाबाजारी की आशंका

स्थानीय लोगों का आरोप है कि गैस वितरण में लगे कुछ कर्मचारी और एजेंसियां कालाबाजारी को बढ़ावा दे रही हैं। आरोप यह भी है कि कई जगहों पर सिलेंडरों की जमाखोरी की जा रही है, ताकि भविष्य में अधिक कीमत पर उन्हें बेचा जा सके। यही कारण है कि जिन उपभोक्ताओं को तत्काल गैस की आवश्यकता है, उन्हें सिलेंडर नहीं मिल पा रहा। गैस जैसी आवश्यक वस्तु की जमाखोरी न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह आम जनता के साथ सीधा अन्याय भी है। यदि इस पर समय रहते नियंत्रण नहीं किया गया, तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है।

जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर सवाल

इस पूरे मामले में संबंधित अधिकारियों की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। फूड इंस्पेक्टर गंगा कुमरे से इस विषय में बात करने की कोशिश की गई, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। यह सही है कि एक अधिकारी के पास दिनभर में कई कॉल आते हैं, लेकिन ऐसी गंभीर स्थिति में एक जिम्मेदार अधिकारी का कर्तव्य है कि वह जनता की समस्याओं को सुने और उनका समाधान सुनिश्चित करे।

प्रशासन को उठाने होंगे सख्त कदम

अब समय आ गया है कि प्रशासन इस मुद्दे को गंभीरता से लेते हुए सख्त कार्रवाई करे। सिर्फ आश्वासन देने से काम नहीं चलेगा, बल्कि जमीनी स्तर पर सुधार लाना होगा। इसके लिए कुछ आवश्यक कदम इस प्रकार हो सकते हैं:

- गैस एजेंसियों की नियमित जांच
- छापामार कार्रवाई कर अवैध रूप से जमा किए गए सिलेंडरों की जब्ती
- दोषी कर्मचारियों और एजेंसियों पर कड़ी कार्रवाई
- उपभोक्ताओं के लिए हेल्पलाइन को सक्रिय और जवाबदेह बनाना

आम आदमी की चिंता जायज

गैस सिलेंडर आज हर घर की जरूरत बन चुका है। यह केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि जीवन का अहम हिस्सा है। ऐसे में यदि इसकी उपलब्धता पर संकट खड़ा होता है, तो आम आदमी की चिंता पूरी तरह जायज है। सरकार और प्रशासन को चाहिए कि वे इस समस्या को "किल्लत" बनने से पहले ही नियंत्रित करें और वितरण व्यवस्था को पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाएं। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए, तो यह मुद्दा आने वाले दिनों में बड़ा जनआंदोलन भी बन सकता है।

सिमरिया हनुमान मंदिर में लगी भक्तों की कतारें
धूमधाम से मनाई हनुमान जयंती जगह जगह हुए भंडारे

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा

छिंदवाड़ा शहर के मंदिरों में गुरुवार को हनुमान जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक रहा, बल्कि सामाजिक समर्पण और सेवा का भी अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता है। पूरे दिन शहरभर के हनुमान मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी, जिन्होंने हनुमान जी के दर्शन किए, पूजा-अर्चना की और भंडारों में शामिल होकर सेवा भाव का अनुभव किया।

भक्तों का जनसैलाब और पूजा-अर्चनाहनुमान जयंती के अवसर पर सुबह से ही शहर के प्रमुख हनुमान मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारें लगीं। मंदिर प्रांगणों में भक्तों ने हनुमान जी की प्रतिमा के सामने दीपक जलाकर आरती की, हनुमान चालीसा का पाठ किया और अपनी श्रद्धा अर्पित की। हर मंदिर में व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने के लिए मंदिर समिति और प्रशासनिक अधिकारियों ने विशेष इंतजाम किए थे। श्रद्धालुओं ने न केवल व्यक्तिगत रूप से पूजा की, बल्कि सामूहिक भक्ति और भजन-संकीर्तन में भी भाग लिया।

सिमरिया हनुमान मंदिर में विशेष उपस्थिति

इस अवसर को और भी खास बनाया गया, जब सिमरिया हनुमान मंदिर में पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और विधायक नकुलनाथ उपस्थित हुए। दोनों नेताओं ने हनुमान जी की प्रतिमा के सामने दीपक और पुष्प अर्पित किए। इसके बाद उन्होंने मंदिर परिसर में भक्तों के साथ भंडारे में शामिल होकर भोजन किया और सेवा भाव का उदाहरण प्रस्तुत किया। उनके आने से मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति की भावना और भी प्रबल हो गई।

भंडारे और सेवा का संदेश

शहरभर के मंदिरों में विशाल भंडारों का आयोजन किया गया। मंदिर समितियों और स्थानीय स्वयंसेवकों ने यह सुनिश्चित किया कि सभी श्रद्धालु प्रसाद और भोजन प्राप्त कर सकें। प्रत्येक भंडारे में पर्याप्त व्यवस्था की गई थी, जिससे भीड़ के बावजूद कोई असुविधा न हुई। बच्चों, वृद्धजनों और जरूरतमंदों को विशेष रूप से प्राथमिकता दी गई। यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण था, बल्कि सेवा और सामाजिक सौहार्द का भी परिचायक बना।

समर्पण और आस्था का पर्व

हनुमान जयंती ने शहरवासियों में भक्ति, विश्वास और सेवा भाव की भावना को जागृत किया। यह दिन केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सामूहिक एकता और समाज में प्रेम और समर्पण की मिसाल भी साबित हुआ। भक्तों ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपनी आस्था के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारी का भी परिचय दिया।

नरवाई जलाने पर जिले में 4 एफआईआर दर्ज
नरवाई जलाने पर की जायेगी दंडात्मक कार्यवाही - उप संचालक कृषि श्री सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ छिन्दवाडा

जिले में गेहूं कटाई का कार्य तेजी से जारी है। कटाई के बाद खेतों में बचे डंठल (नरवाई) के उचित प्रबंधन के लिये कलेक्टर श्री हरेंद्र नारायन के मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा मैदानी स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। नरवाई जलाने से जहां खेतों के मित्र कीट नष्ट होते हैं, वहीं भूमि की उर्वरता भी कम होती है, जिससे आगामी फसल उत्पादन प्रभावित होने की संभावना रहती है।

कृषकों को नरवाई न जलाने के लिए जागरूक करने हेतु प्रत्येक पंचायत में गठित टीमों द्वारा चौपाल और संगोष्ठियों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में किसानों को शपथ दिलाई जा रही है तथा मुनादी के माध्यम से भी जागरूक किया जा रहा है। साथ ही नरवाई जलाने पर होने वाली दंडात्मक कार्रवाई की जानकारी भी दी जा रही है।

कृषि विभाग द्वारा किसानों को नरवाई प्रबंधन के लिए स्ट्रा रीपर, सुपर सीडर, हैप्पी सीडर तथा डीकंपोजर जैसे उपाय अपनाने की सलाह दी जा रही है। वहीं कृषि एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम लगातार नरवाई जलाने की घटनाओं पर निगरानी रख रही है और सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर जांच एवं कार्रवाई कर रही है। राजस्व विभाग के पटवारी, कृषि विस्तार अधिकारी, ग्राम पंचायत सचिव और कोटवार की टीम गठित कर उन्हें नरवाई जलाने की घटनाओं को रोकने के लिए अधिकृत किया गया है। ये टीमें घटनाओं का पंचनामा बनाकर प्रतिवेदन प्रस्तुत कर रही हैं।

जिले में अब तक सेटेलाइट के माध्यम से 84 घटनाएं दर्ज की गई हैं, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में दर्ज 251 घटनाओं की तुलना में काफी कम हैं। इन 84 घटनाओं में से 73 घटनाएं जंगलों में महुआ बीनने के दौरान आग लगाने से संबंधित पाई गई हैं। अब तक नरवाई जलाने पर विकासखंड अमरवाड़ा में 2, चौरई में 1 तथा बिछुआ में 1 एफआईआर दर्ज की गई है। साथ ही बिछुआ एवं छिंदवाड़ा विकासखंड में एक-एक व्यक्ति पर जुर्माना भी लगाया गया है। इसके अतिरिक्त 5 घटनाएं शॉर्ट सर्किट आदि कारणों से गेहूं की फसल में आग लगने की रिपोर्ट में सामने आई हैं।

बड़बन क्षेत्र से अतिक्रमण हटाया गया, निगम ने जारी की चेतावनी

छिंदवाड़ा। नगर निगम आयुक्त सी.पी. राय के निर्देशानुसार नगर निगम अमले ने बड़बन क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया। इस कार्रवाई के दौरान क्षेत्र से अवैध कब्जे हटाए गए और स्थल को पूरी तरह साफ कराया गया।सख्ती के साथ कार्रवाईनगर निगम की टीम ने कार्रवाई के दौरान संबंधित व्यक्तियों को मौके पर समझाइश दी और उन्हें चेताया कि अवैध कब्जा करना कानूनी अपराध है। साथ ही, अनाउंसमेंट के माध्यम से आमजन को भी जागरूक किया गया कि उक्त स्थानों पर किसी भी प्रकार का पुनः अतिक्रमण न किया जाए।कड़ा संदेशनगर निगम ने स्पष्ट किया कि भविष्य में यदि कोई भी व्यक्ति दोबारा अतिक्रमण करता है तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान का उद्देश्य न केवल अवैध कब्जों को हटाना, बल्कि शहर में साफ-सुथरे और व्यवस्थित वातावरण को बनाए रखना है।नगर निगम की यह कार्रवाई शहरवासियों के लिए भी एक संदेश है कि सभी सार्वजनिक और सरकारी स्थान सुरक्षित और अतिक्रमण-मुक्त रहेंगे।

खंडहर में चल रही पढ़ाई! 'स्कूल चलो अभियान' की जमीनी हकीकत ने खोली व्यवस्था की पोल
छातेआम प्राथमिक शाला की बदहाली ने उठाए गंभीर सवाल

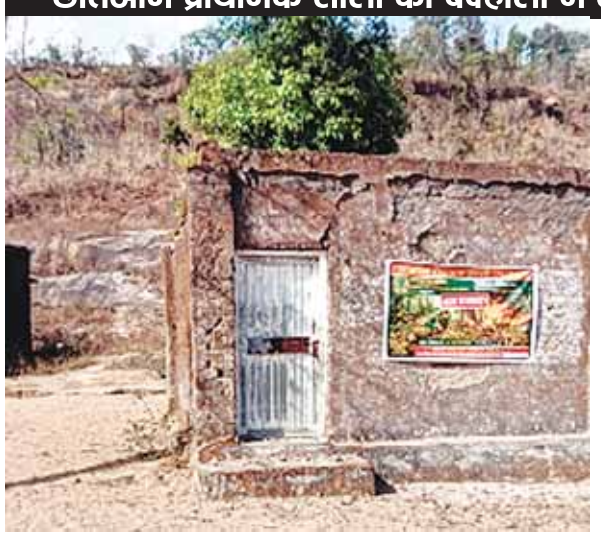

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

एक ओर पूरे जिले में 1 अप्रैल से 'स्कूल चलो अभियान' के तहत प्रवेश उत्सव मनाया गया, बच्चों को निशुल्क पाठ्यपुस्तकें वितरित की गईं और शिक्षा के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत इस अभियान की पोल खोलती नजर आ रही है।

जुन्नारदेव जनपद के सांगा खेड़ा क्लस्टर अंतर्गत ग्राम पंचायत अल्मोद के ग्राम छातेआम की प्राथमिक शाला बदहाल स्थिति में खड़ी है। स्कूल भवन पूरी तरह खंडहर में तब्दील हो चुका है, जहां बैठकर पढ़ाई करना बच्चों के लिए जोखिम भरा बन गया है।

जिम्मेदारों की अनदेखी, मरम्मत तक नहीं

ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र के जन शिक्षक, बीआरसी और विशेष रूप से सर्व शिक्षा अभियान के उपयंत्री की लापरवाही के कारण यह स्थिति बनी है। स्कूल की जर्जर हालत की जानकारी समय पर उच्च अधिकारियों तक नहीं पहुंचाई गई, जिससे मरम्मत कार्य भी नहीं हो पाया।

राजनीतिक संरक्षण के आरोप, जिम्मेदारी से दूरी

बताया जा रहा है कि संबंधित उपयंत्री राजनीतिक पहुंच के चलते सांगा खेड़ा क्षेत्र में पदस्थ हैं और अपने मूल विभाग की जिम्मेदारियों पर ध्यान नहीं दे पा रहे हैं। यही कारण है कि अधीनस्थ स्कूलों की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है।

अभियान पर बड़ा सवाल

'सब पढ़ें, सब बढ़ें' का नारा देने वाला सर्व शिक्षा अभियान छातेआम जैसे स्कूलों में दम तोड़ता नजर आ रहा है। अब सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार अधिकारी इस ओर ध्यान देंगे या फिर बच्चों का भविष्य यूं ही खंडहर में दम तोड़ता रहेगा?

ई-विकास पोर्टल नियम उल्लंघन पर 6 उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

छिन्दवाड़ा। मध्य प्रदेश शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग मंत्रालय भोपाल द्वारा प्रदेश के समस्त जिलों में उर्वरक का शत-प्रतिशत वितरण केवल ई-विकास पोर्टल के माध्यम से किए जाने के निर्देश जारी किए गए हैं। अन्य किसी भी माध्यम से उर्वरक विक्रय पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है। इसके बावजूद जिले के कुछ उर्वरक विक्रेताओं द्वारा शासन के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए बिना ई-प्रणाली के उर्वरकों का विक्रय किया गया। इनमें मेसर्स प्रत्यक्ष एग्रो चौरई, शिवशक्ति कृषि केन्द्र (विकासखण्ड चौरई), राहुल कृषि केन्द्र (विकासखण्ड परासिया), संकल्प रिटेल्स स्टोर्स (विकासखण्ड परासिया), मेसर्स सनोडिया कृषि केन्द्र (चौरई) एवं मेसर्स सूर्यवंशी कृषि केन्द्र (विकासखण्ड मोहखेड) शामिल हैं। उप संचालक कृषि जितेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि शासन के आदेशों की अवहेलना किये जाने के फलस्वरूप आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अंतर्गत गठित उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश 1985 के तहत कार्रवाई करते हुए संबंधित उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए हैं।

तामिया के जंगल संकट में: कटाई, आग और लापरवाही से घट रही हरियाली
वल्चर पॉइंट के आसपास हालात गंभीर, विभागीय उदासीनता पर उठे सवाल

हरिभूमि न्यूज ⏭ तामिया

तामिया रेंज की मुख्यालय बीट के जंगल इन दिनों दोहरी मार झेल रहे हैं। एक ओर जहां सरई (साल) के पेड़ों की अवैध कटाई और साल बोरर की बीमारी से जंगल लगातार कमजोर हो रहा है, वहीं दूसरी ओर आगजनी की घटनाएं वन संपदा को तेजी से नुकसान पहुंचा रही हैं। स्थिति यह है कि वर्षों से प्राकृतिक रूप से विकसित सरई के पेड़ अब धीरे-धीरे खत्म होते जा रहे हैं।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार जंगल में लोगों का आसानी से प्रवेश और वन कर्मचारियों की नियमित गश्त का अभाव इस समस्या की मुख्य वजह है। वल्चर पॉइंट के आसपास बीमार पेड़ों और कटे हुए तनों के साथ-साथ आग से झुलसे क्षेत्र साफ देखे जा सकते हैं, जो हालात की गंभीरता बयां करते हैं।

जरूरी हैं ठोस कदम

लगातार बढ़ती घटनाओं को देखते हुए वन विभाग के लिए यह चेतावनी है। यदि समय रहते सख्त निगरानी, जागरूकता अभियान और संसाधनों की व्यवस्था नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में भीषण गर्मी के दौरान जंगल को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है।

पर्यटकों की लापरवाही बनी खतरा

वल्चर पॉइंट के पास पिकनिक मनाने आने वाले पर्यटक भी अनजाने में जंगल के लिए खतरा बन रहे हैं। खुले में चूल्हा बनाकर भोजन पकाने के बाद आग को पूरी तरह बुझाए बिना छोड़ देना कई बार बड़े हादसे का कारण बन रहा है। हाल ही में ऐसी ही एक घटना में चूल्हे से निकली चिंगारी ने आग का रूप ले लिया, जिससे बड़े क्षेत्र में पेड़-पौधे झुलस गए।

संसाधनों की कमी से बढ़ी परेशानी

जानकारी के अनुसार आग बुझाने के लिए आवश्यक उपकरण जैसे ब्लोअर का पर्याप्त उपयोग नहीं हो रहा है, जिससे आग पर काबू पाने में कर्मचारियों को कठिनाई होती है और आग तेजी से फैलती है।

निजी वाहनों से हो रहा अवैध परिवहन, दो साल से ठप अधिकृत वाहन, प्रशासन मौन
अन्नदूत योजना में बड़ा फर्जीवाड़ा! मृतक के नाम पर रुकी व्यवस्था

शौचालय और किचन भी जर्जर, व्यवस्था चरमराई

स्थिति इतनी गंभीर है कि स्कूल का शौचालय और मध्यान्ह भोजन बनाने वाला किचन भी खंडहर बन चुके हैं। ऐसे में यह सवाल उठना लाजमी है कि आखिर ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का स्तर किस दिशा में जा रहा है।

शिक्षक अनुपस्थित, कभी लगता है स्कूल तो कभी बंद

ग्रामीणों के अनुसार, स्कूल में शिक्षक नियमित रूप से नहीं आते, जिससे पढ़ाई व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित हो रही है। कई बार स्कूल खुलता ही नहीं, जिससे बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ जुन्नारदेव

अन्नदूत वाहन योजना में एक चौंकाने वाला फर्जीवाड़ा सामने आया है, जिसने प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। अधिकृत वाहन मालिक स्व. सुमित पाल की मृत्यु के करीब दो वर्ष बाद भी वाहन को उनकी पत्नी के नाम पर स्थानांतरित कर पुनः संचालन शुरू नहीं किया गया। नतीजतन, पूरी व्यवस्था ठप पड़ी है और इसका फायदा उठाकर निजी वाहन संचालक खुलेआम अवैध परिवहन कर रहे हैं।जानकारी के अनुसार, सेक्टर क्रमांक-01 में अधिकृत अन्नदूत वाहन (क्रमांक MP 28 ZD 3169) लंबे समय से निष्क्रिय खड़ा हुआ है। मृतक के परिजनों ने कई बार संबंधित विभाग में आवेदन देकर वाहन पुनः चालू कराने की मांग की, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह स्थिति प्रशासनिक उदासीनता ही नहीं, बल्कि संदेहास्पद चुप्पी को भी दर्शाती है।

निजी वाहनों की घुसपैठ, मिलीभगत के आरोप

सबसे गंभीर बात यह है कि अधिकृत वाहन के अभाव में कुछ निजी परिवहनकर्ता कथित रूप से अधिकारियों की मिलीभगत से खाद्यान्न का परिवहन कर रहे हैं। ये वाहन स्वयं को अधिकृत बताकर काम कर रहे हैं, जबकि शासन की स्पष्ट व्यवस्था के अनुसार केवल चिन्हित वाहनों को ही अनुमति है।सूत्रों का दावा है कि सेक्टर-01 आज भी आधिकारिक रूप से खाली है, बावजूद इसके परिवहन कार्य जारी है। इससे साफ संकेत मिलते हैं कि कहीं न कहीं नियमों को दरकिनार कर खेल खेला जा रहा है।

खाद्यान्न वितरण पर असर, जनता परेशान

अधिकृत वाहन बंद होने से क्षेत्र में खाद्यान्न वितरण व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। जरूरतमंदों तक समय पर राशन नहीं पहुंच पा रहा, जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जिम्मेदार कौन? जवाबदेही से बचता प्रशासन

इस पूरे मामले पर जब अधिकारियों से जवाब मांगा गया तो जुन्नारदेव के कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुमित चौधरी ने पल्ला झाड़ते हुए कहा कि मामला भोपाल कमिश्नर स्तर पर लंबित है और स्थानीय स्तर पर कोई प्रक्रिया संभव नहीं है।

कब टूटेगी प्रशासनिक चुप्पी?

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर कब तक मृतक के नाम पर व्यवस्था लटकी रहेगी और निजी वाहन अवैध रूप से फायदा उठाते रहेंगे? क्या जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होगी या यह खेल यूं ही चलता रहेगा?

जामसांवली के हनुमान लोक में भक्ति, सेवा और सुव्यवस्था का अद्भुत संगम

हनुमान जन्मोत्सव पर उमड़ा आस्था का सागर, 6 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा, सौंसर

हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर जामसांवली स्थित श्री हनुमान मंदिर हनुमान लोक में आस्था का अभूतपूर्व जनसैलाब उमड़ा। आयोजन के अंतिम दिन लगभग 6 लाख श्रद्धालुओं ने संकटमोचन के चरणों में शीश नवाकर अपनी श्रद्धा अर्पित की। पूरा क्षेत्र 'जय श्रीराम' और 'जय हनुमान' के जयघोष से गूंज उठा, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया। यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सेवा का जीवंत उदाहरण बन गया।

भजन, अभिषेक और महाआरती से सजी आध्यात्मिक रात

जन्मोत्सव की पूर्व संध्या से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया था। भजन संध्या में प्रसिद्ध गायिका स्वस्ती मेहूल की मधुर प्रस्तुति ने माहौल को भक्तिरस में डुबो दिया। मध्यरात्रि में वाराणसी से आए विद्वान पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान हनुमान का अभिषेक किया, जिसके बाद भव्य महाआरती ने पूरे

परिसर को दिव्यता से भर दिया।

जगदगुरु रामभद्राचार्य की ओजस्वी रामकथा

आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की जगदगुरु स्वामी रामभद्राचार्य के सानिध्य ने। उन्होंने रामकथा में लंका युद्ध, हनुमान-भरत मिलन और रामराज्य की अवधारणा को विस्तार से प्रस्तुत किया। उन्होंने अहंकार के त्याग और विनम्रता को जीवन का मूल बताया तथा सच्ची भक्ति को निस्वार्थ सेवा से जोड़ा।

सेवा और प्रबंधन बना सफलता की कुंजी

मंदिर ट्रस्ट और प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद, शरबत और पेयजल की उत्कृष्ट व्यवस्था की गई। इतनी विशाल भीड़ के बावजूद अनुशासन और सुव्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की बड़ी उपलब्धि रही।कलेक्टर नीरज कुमार वशिष्ठ के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस अमले ने मुस्तैदी से व्यवस्था संभाली। पुलिस अधीक्षक सुंदर सिंह कनेश के निर्देशन में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए, जिससे श्रद्धालुओं को सुरक्षित और सुगम दर्शन मिल सके।

आस्था, समर्पण और सेवा का अनुपम उदाहरण

यह भव्य आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक बना, बल्कि समाज में एकता, समर्पण और सेवा भाव का संदेश भी दे गया। हनुमान लोक में उमड़ा यह आस्था का महासागर श्रद्धालुओं के लिए जीवनभर यादगार अनुभव बन गया।

श्रद्धा, उत्साह और भक्ति के संग पूरे नगर में गूंजे जयकारे

दमुआ। हनुमान जयंती के पावन अवसर पर दमुआ नगर में भव्य झांकी एवं शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। शोभायात्रा में नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। जगह-जगह 'जय श्रीराम' और 'जय हनुमान' के जयघोष गूंजते रहे।शोभायात्रा नगर के प्रमुख क्षेत्रों—नंदन, राखीकोल, कोलवाशरी माइंस, मेगजीन दफाई, पुराना दमुआ, रामनगर, नई दफाई, दमुआ बाजार, मेन मार्केट, दीनदयाल चौक, इंदिरा चौक, नया बस स्टैंड, कुटुम्बदेव, भरदी भाखरा, घोरावाड़ी, झरना, पुरैना खालसा और नीमढाना सहित विभिन्न बस्तियों एवं वार्डों से होकर निकली। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया।शोभायात्रा का समापन श्री हनुमान मंदिर तीन पुलिया दमुआ में हुआ, जहां विधिवत पूजन-अनुष्ठान, हनुमान चालीसा पाठ और महाआरती का आयोजन किया गया। इस दौरान भक्तों ने श्रद्धा भाव से भगवान हनुमान की आराधना की।कार्यक्रम के अंत में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। पूरे आयोजन में प्रशासन और आयोजन समिति के सहयोग से व्यवस्था सुचारू बनी रही, जिससे कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

डिजिटल जनगणना का शुभारंभः अब नागरिक खुद करेंगे 'स्व-गणना'

16 से 30 अप्रैल तक मोबाइल से भर सकेंगे जानकारी, 33 सवाल तय करेंगे विकास की दिशा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

देश में डिजिटल जनगणना के महाअभियान की शुरुआत छिंदवाड़ा से हो गई है। कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी हरेन्द्र नारायण के मार्गदर्शन में नगर निगम सभाकक्ष में फील्ड ट्रेनर्स के दूसरे बैच का तीन दिवसीय प्रशिक्षण (1 से 3 अप्रैल) प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण का शुभारंभ निगमायुक्त सी.पी. राय, जिला जनगणना अधिकारी पुष्पेंद्र निगम, प्रभारी अनुज सोलंकी और नगर जनगणना अधिकारी कमलेश निर्गुड़कर ने किया।मास्टर ट्रेनर प्रो. पी.एन. सनेसर एवं राजेंद्र सिंह ठाकुर द्वारा फील्ड ट्रेनर्स को डिजिटल ऐप और जनगणना प्रक्रिया की तकनीकी बारीकियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह टीम आगे तहसील और नगर स्तर पर प्रगणकों व पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित करेगी, जिससे मैदानी कार्य

मोबाइल से खुद करें 'स्व-गणना', प्रगणक का इंतजार नहीं

इस बार जनगणना प्रक्रिया को अधिक सरल और पारदर्शी बनाने के लिए 'सेल्फ इनुमेरेशन' की सुविधा दी गई है। 16 से 30 अप्रैल के बीच नागरिक अपने स्मार्टफोन या कंप्यूटर के माध्यम से जनगणना पोर्टल पर जाकर परिवार और मकान की जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे।जानकारी दर्ज करने के बाद मोबाइल पर एक रेफरेंस नंबर (सेल्फ इनुमेरेशन आईडी) प्राप्त होगा। इसके बाद 1 से 30 मई के बीच जब प्रगणक घर आएंगे, तो केवल यह नंबर बताने पर डेटा का सत्यापन तुरंत हो जाएगा। इससे समय की बचत के साथ प्रक्रिया बेहद आसान हो जाएगी।

33 सवालों में छिपा है क्षेत्र के विकास का खाका

जनगणना के पहले चरण (मकान सूचीकरण एवं मकान गणना) में कुल 33 प्रश्न पूछे जाएंगे। इनमें पानी, बिजली, इंटरनेट, शौचालय, वाहन जैसी बुनियादी सुविधाओं की जानकारी शामिल होगी।इन आंकड़ों के आधार पर ही सरकार यह तय करती है कि किन क्षेत्रों में स्कूल, अस्पताल, सड़क और पेयजल जैसी सुविधाएं विकसित की जानी हैं। इसलिए सही जानकारी देना बेहद महत्वपूर्ण है। बढ़-चढ़कर लें भागजिला प्रशासन और नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे 16 से 30 अप्रैल के बीच स्व-गणना में अधिक से अधिक भाग लें और सही जानकारी देकर इस राष्ट्रीय अभियान को सफल बनाएं।जनगणना अधिनियम 1948 के तहत दी गई सभी जानकारी पूर्णतः गोपनीय रहती है और इसका उपयोग केवल योजनाओं के निर्माण में किया जाता है।

नागरिकों से विशेष अपील

जिला प्रशासन और नगर निगम छिंदवाड़ा द्वारा अपने सभी जागरूक शहरवासियों से अपील की गई है कि 16 अप्रैल से 30 अप्रैल के बीच 'स्व-गणना' का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। सही जानकारी देकर इस राष्ट्रीय महा-अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें और छिंदवाड़ा के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। आपकी निजी जानकारी जनगणना अधिनियम 1948 के तहत पूर्णतः गोपनीय है, जिसके आधार पर किसी भी तरह से आपको मिलने वाली सुविधाओं या योजनाओं के लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता है, न ही यह जानकारी न्यायालय में प्रस्तुत की जा सकती है।

छिंदवाड़ा बना 'जलवायु अनुकूल कृषि' का राष्ट्रीय मॉडल

BISA की अंतर्राष्ट्रीय तकनीक से किसानों को मिल रहा आधुनिक खेती का लाभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा जिला अब 'जलवायु अनुकूल कृषि' (क्लाइमेट रेजिलिएंट एग्रीकल्चर) के क्षेत्र में एक आदर्श मॉडल के रूप में उभर रहा है। इस उपलब्धि के पीछे Borlaug Institute for South Asia (BISA) की अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञता, आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक मार्गदर्शन की अहम भूमिका है।

इसी क्रम में ग्राम घोघरा में एक उच्च स्तरीय प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें किसानों को आधुनिक खेती की तकनीकों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान किसान रघुवर चंद्रवंशी के खेत पर 'हैप्पी सीडर' मशीन के माध्यम से गेहूं कटाई के बाद सीधे मूंग की बुवाई का लाइव प्रदर्शन किया गया। इस तकनीक ने यह साबित किया कि बिना जुताई और बिना नरवाई

जलाए भी प्रभावी खेती संभव है। इससे न केवल समय और लागत की बचत होती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण भी सुनिश्चित होता है। BISA के तकनीकी सहायक दीपेंद्र सिंह ने किसानों को 'जीरो-टिलेज' पद्धति की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने मशीन के उपयोग, रखरखाव और लाभों को सरल भाषा में समझाते हुए बताया कि यह तकनीक मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने, जल संरक्षण करने और फसल उत्पादन सुधारने में बेहद कारगर है। ग्राम घोघरा के किसान तेजराम चंद्रवंशी को परियोजना के तहत हैप्पी सीडर मशीन प्रदान कर 'मिनी कस्टम हायरिंग सेंटर' स्थापित किया गया है। इसके माध्यम से क्षेत्र के अन्य किसान भी इस आधुनिक तकनीक का लाभ उठा सकेंगे। BISA के मार्गदर्शन में छिंदवाड़ा आज मध्य प्रदेश में नरवाई प्रबंधन और जलवायु अनुकूल खेती का अग्रणी मॉडल बन चुका है। यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दे रही है, बल्कि किसानों की आय और जीवन स्तर में भी सकारात्मक बदलाव ला रही है।

राशि निकालने के लिए ऑनलाईन सेंटर के लगा रहे चक्कर

वृद्धावस्था पेंशन नहीं आने से गरीब वर्ग के वृद्ध हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। आर्थिक तंगी से जूझ रही प्रदेश सरकार अब समय पर प्रदेश के वृद्धों को उनकी पेंशन भी प्रदान नहीं कर पा रही है। जिसके कारण वृद्धों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। लाड़ली बहना जैसी लोक लुभावनी योजनाओं के तहत महिलाओं को लुभाने के फेर में प्रदेश सरकार इन महिलाओं के खाते में तो कर्ज लेकर समय पर राशि डाल रही है, लेकिन बेसहारा वृद्ध महिला-पुरुषों को समय पर पेंशन प्रदान नहीं कर उन्हें परेशान कर रही है। जनपद पंचायत वारासिवनी के पूर्व सदस्य पीताम्बर नागेश्वर ने बताया कि शासन की मंशानुरुप 60 वर्ष से अधिक उम्र के गरीबी रेखा के नीचे निवास करने वाले वृद्धजनों को इंदिरा गॉधी वृद्धावस्था पेंशन जीवनयापन के लिए प्रदान की जाती है। लेकिन पिछले 2 माह से उनके खातों में पेंशन की राशि नहीं आने से वह बेहद परेशान है। उन्होनें बताया कि ग्राम पंचायत बुदबुदा अंतर्गत ग्राम धानीटोला के ऑनलाईन सेंटर में पिछले दो माह से ग्राम के वृद्ध अपनी पेंशन निकालने के लिए आ रहे है, लेकिन उनके खाते में पेंशन की राशि जमा नहीं होने से वह परेशान व निराश होकर वापस घर लौट रहे है। यह राशि अपने जीवनयापन के लिए इस राशि की आस लगाए बैठे रहते है।

ग्राम धानीटोला के वृद्ध ग्रामीण घनश्याम टांडेकर, मल्लूलाल पंचेश्वर, लालचंद बाहेश्वर व सोविन्द अर्जुनवार और अन्य वृद्धों ने बताया कि पहले महीने के पहले सप्ताह में पेंशन की राशि हमारे खाते में आ जाती थी, लेकिन पिछले 2 माह से हमारे खाते में पेंशन की राशि नहीं आ रही है। हम जब राशि निकालने के लिए ऑनलाईन सेंटर जाते है, तो हमें बताया जाता है कि हमारे खाते में राशि नही आई है।

गांव-गली चौराहों में गूंजे जय हनुमान के जयकारे

क्षेत्र में धूमधाम से मनाई गई हनुमान जयंती

हरिभूमि न्यूज कटंगी।

02 अप्रैल गुरुवार को राम भक्त हनुमान जी की जयंती समूचे क्षेत्र में बेहद धूमधाम और उत्साह के साथ श्रद्धा और भक्तिमय माहौल में मनाई गई। क्षेत्र के तमाम प्राचीन और सिद्धपीठ हनुमान मंदिरों में धर्मप्रेमियों और हनुमान भक्तों ने ब्रहममुर्हुत में ही मंदिरों में पहुंचकर हनुमान जी को चोला अर्पित कर गुड़-चने का भोग चढ़ाया और पूजा-अर्चना कर अपने परिवार की सुख-समृद्धि की मनोकामना की। यह सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। संकट से मुक्ति पाने के लिए हनुमान जी की विशेष पूजा की गई। भगवान श्रीराम के परम भक्त और संकटमोचन हनुमान जी के जन्मोत्सव को लेकर क्षेत्र भर के मंदिरों में विशेष तैयारियां की गई थी। शक्ति, भक्ति, साहस और सेवाभाव के प्रतीक हनुमान जी की आराधना के लिए भक्तों ने व्रत, पूजन, हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ किया। मान्यता है कि इस दिन सच्चे मन से की गई पूजा से सभी संकट दूर होते हैं और जीवन में नई ऊर्जा और आत्मबल का संचार होता है। नगर से लेकर गांव के गली-चौराहों में आज जय हनुमान के जयकारे गूंज उठे। तिरोड़ी के सिद्ध संकट मोचन हनुमान मंदिर में विधि-विधान से विशेष पूजा अर्चना की गई। कटंगी शहर में शाम 06 बजे महावीर व्यायाम शाला के द्वारा डीजे के साथ भव्य रैली निकाली गई। भगवान श्रीराम लक्ष्मण और भगवान राम के बालरुप की जीवंत झांकी के साथ यात्रा ने पूरे शहर का भ्रमण किया। वही बड़ी संख्या में क्षेत्र के धर्मप्रेमियों ने पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र के सिद्ध धार्मिक स्थल चांदपुर और छिंदवाड़ा जिले के जामसावंली चमत्कारिक हनुमान मंदिर में पहुंचकर हनुमान जी के दर्शन कर धर्मलाभ लिया। नगर के अलग-अलग हनुमान मंदिरों में भक्तों ने आरोग्यमय, सुखमय, समृद्धमय और शांतिमय जीवन के लिए प्रभु हनुमान से प्रार्थना की गई।

इन मंदिरों में सुबह से लगी रही भक्तों की कतारें: कटंगी शहर के छतेरा रोड़ स्थित शीतला माता मंदिर हनुमान मंदिर, गुजरी चौक के पास स्थित सिद्ध स्थल हनुमान बाड़ी, सिवनी रोड़ स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर, थाना परिसर के हनुमान, सेलवा स्थित संकट मोचन हनुमान मंदिर, अर्जुननाला स्थित हनुमान मंदिर, गर्रा हनुमान मंदिर, कुड़वा जीरो स्थित हनुमान मंदिर, अंबामाई स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में भक्तों ने पहुंचकर पुजा-अर्चना की। इन प्रसिद्ध मंदिरों के अलावा गांव-गांव में स्थित मंदिरों में पूजा-अर्चना का क्रम पूरा दिन चलते रहा। जिन प्रमुख मंदिरों का जिक्र किया गया है ऐसी मान्यता है कि यहां पर भक्तों की मांगी गई हर मनोकामना पूर्ण होती है।

17 साल की सेवा के बाद सेना से सेवानिवृत्त होकर लौटे प्रकाश चौधरी

नागरिकों ने जय स्तम्भ चौक पर किया भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज वारासिवनी।

वारासिवनी विधानसभा अंतर्गत ग्राम तुमाड़ी निवासी प्रकाश चौधरी 17 वर्षों तक भारतीय सेना में सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त होकर अपने गृह ग्राम लौट गए। उनके नगर आगमन पर वारासिवनी के जय स्तंभ चौक पर नगरवासियों व ग्रामवासियों ने आतिशबाजी कर उन्हें पुष्पहार पहनाया और मिठाई खिला कर जोरदार स्वागत किया गया। नगर में भव्य स्वागत के बाद वह खुली जीप से अपने गांव तुमाड़ी की ओर रवाना हुए। इस दौरान रास्ते भर उनका नागरिकों द्वारा स्वागत किया गया। ग्राम तुमाड़ी पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका गर्मजोशी से अभिनंदन कर शुभकामनाएं दीं। विदित हो कि सेना के सिग्नल कोर में पदस्थ रहे प्रकाश चौधरी ने अपने सेवाकाल में देश के विभिन्न राज्यों में रहकर अपनी सेवायें दी हैं। उनके घर वापसी पर परिवारजनों व शुभचिंतकों में खासा उत्साह देखने को मिला।

जीरो डोज कार्यक्रम के तहत लांजी में महिला समूहों को टीकाकरण की दी जानकारी

यूनिसेफ और आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में जनपद पंचायत लांजी में आयोजित हुआ उन्मुखीकरण कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज लांजी।

बालाघाट जिले के विकासखंड लांजी में यूनिसेफ द्वारा जीरो डोज कार्यक्रम के तहत स्व-सहायता समूह की महिलाओं का उन्मुखीकरण कार्यक्रम जनपद पंचायत लांजी में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के सहायक विकासखंड प्रबंधक सुनीता चन्ने, विकासखंड प्रबंधक राजाराम परते एवं महिला समूह संगठन लांजी की अध्यक्ष मंजू भालाधरे की उपस्थिति में महिलाओं को टीकाकरण के महत्व एवं आवश्यकताओं की जानकारी दी गई।

सहायक विकासखंड प्रबंधक सुनीता चन्ने ने बताया कि समय पर टीकाकरण से बच्चों एवं माताओं को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखा जा सकता है। उन्होंने सभी को जागरूक रहकर टीकाकरण सेवाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया और टीकाकरण क्या है, क्यों जरूरी है, टीका कहां उपलब्ध है, इसके लाभ तथा इससे जुड़े मिथक व भ्रांतियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

ब्लॉक समन्वयक दीपांकर भार्गव ने समूह के सदस्यों को समुदाय में जागरूकता फैलाने के तरीकों के बारे में मार्गदर्शन दिया और सामाजिक कार्यों में आगे बढ़कर भागीदारी करने व गांव-गांव में टीकाकरण जागरूकता के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन भी उनके द्वारा किया गया। इस अवसर पर विनोद मुरकूटे, मनीषा बागडे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कटंगी विकास मंच की सराहनीय पहल

बेजुबान पक्षियों के लिए अंबामाई में बांधे गए जलपात्र

हरिभूमि न्यूज कटंगी। भीषण गर्मी में बेजुबान पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए कटंगी विकास मंच ने हनुमान जयंती के पावन मौके पर सिद्ध धार्मिक स्थल अंबामाई और खिड़कीघाट के जंगल में पहुंचकर जगह-जगह पेड़ों पर जल पात्र बांधे। इसके साथ ही लंगुरों की भूख मिटाने के लिए उन्हें तरबुज भी बांटा। कटंगी विकास मंच के संयोजक सुरजीत सिंह ठाकुर, रूपेंद्र गोस्वामी, श्रीमती रचना ठाकुर, श्रीमती अंजली गोस्वामी ने सड़क के किनारे पेड़ों में जलपात्र बांधे है ताकि कोई भी राहगीर आते-जाते वक्त इन जलपात्रों में पानी भर सकें। दरअसल, गर्मियों में जैसे-जैसे पारा चढ़ता है, पक्षियों के लिए दाना-पानी ढूंढ पाना भी उतना ही मुश्किल होता है। ऐसे में कई बेजुबान पक्षी दाना-पानी नहीं मिलने की वजह से अपनी जिंदगी भी नहीं बचा पाते। साथ ही शहरीकरण बढ़ने से पक्षियों की जीवनचर्या और मुश्किल हो गई है। उनके लिए बेहतर जरुरी खाद्य सामग्री और पानी को ढूंढ पाने में कठिनाई से जीवन संकट में पड़ जाता है। इसी को ध्यान में रखते हुए कटंगी विकास मंच के पदाधिकारियों ने गुरूवार को अंबामाई और खिड़कीघाट के जंगल में जलपात्र बांधे। उन्होंने आमजन से भी अपील की है कि वह अपने घरों की छतों पर पक्षियों के लिए पानी उपलब्ध करवाएं ताकि वह पानी की तलाश में दम ना तोड़े। गर्मी के दिनों पक्षियों के लिए जलपात्र में पानी रखना अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना दें। जिससे पक्षियों को छाया के साथ-साथ पानी भी मुहैया हो सकेगा।

कार्यक्रम में शामिल हुए मुकेश सिंह चौहान जनपद सदस्य

शासकीय.प्राथमिक. शाला दत्ता में मनाया गया प्रवेश उत्सव

हरिभूमि न्यूज किरनापुर।

मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार प्रवेश की समस्त शेक्षक्षिक संस्थाओं में दिनांक 01/04/2026 से 04/04/2026 तक प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रवेश विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 प्रवेश उत्सव शास. प्राथ.शाला दत्ता ये बड़े धूम-धाम से मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुवात मां सरस्वतीजी की पूजा अर्चना के साथ की गई। इसके पश्चात नव प्रवेशी विद्यार्थीयो को तिलक लगाकर स्वागत कर काफी व पेन, पेन्सिल आगन्तुक लोगों के हस्ते वितरित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 11श्री मुकेश सिंह चौहान जी द्वारा अपने उद्बबोधन में विद्यार्थीयों को

शिक्षा के महत्व के बारे में समझाया गया। बेहतर व जिम्मेदार नागरिक बनने की सलाह दी गई। श्रीमती उषा चौधरी प्रभारी प्रधान पाठीका के द्धारा 2025-26 का परिक्षा परिणाम उपस्थितजनों के समक्ष रखा गया।

प्रमुख उपस्थिति - श्रीमान मुकेश सिंह जी चौहान जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक.11, श्री दुलीचंद जी इनवाते सरपंच ग्राम पंचायत-दत्ता, श्री कमलेश पाँचे अध्यक्ष शाला प्रबंधन समिति शा.प्रा. शाला दत्ता, श्री संदीप पाँचे, श्री शैलेश चौहान सदस्य, श्री ओमकार खरे उपसरपंच । श्री रामप्रसाद नागेश्वर सचिव, श्री मुकेश मातरे सहायक। सचिव, श्रीमती पुष्पलता बिसेन शिक्षिका,श्रीमती नेहा मेश्राम शिक्षिका, श्रीमती साधना देशमुख शिक्षिका एवं समस्त विद्यार्थीगण शासकीय प्राथमिक शाला दत्ता और अभिभावकों की उपस्थिति सराहनीय रही।

खबर संक्षेप

आवास योजनाओं एवं स्वच्छता तैयारियों पर कलेक्टर ने दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज सिवनी। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में नगरीय निकायों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (नगरीय) के अंतर्गत निकायवार लक्ष्य के विरुद्ध पूर्ण आवासों एवं लंबित कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्रीमती पटले ने प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत प्राप्त आवेदनों, उनके निराकरण, पात्र-अपात्र हितग्राहियों की स्थिति तथा प्रथम किस्त वितरण की जानकारी लेकर कार्य प्रारंभ की प्रगति जानी। उन्होंने निरस्त प्रकरणों के कारणों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का पुनः परीक्षण कर किसी भी पात्र हितग्राही को योजना के लाभ से वंचित न रखा जाए। बैठक में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के अंतर्गत नवीन लक्ष्य के अनुरूप पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही निकायवार राजस्व वसूली की स्थिति की समीक्षा कर लक्ष्य अनुरूप वसूली सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

परशुराम प्राकट्य उत्सव को लेकर ब्राह्मण समाज की बैठक सम्पन्न, 19 अप्रैल को निकाली जायेगी भव्य शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज सिवनी। आगामी कार्यक्रम भगवान श्री परशुराम प्राकट्य उत्सव आयोजन को लेकर जिला अध्यक्ष पं. दिलीप तिवारी की अध्यक्षता में ब्राह्मण समाज की महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। बैठक में वरिष्ठ गणों की गरिमामय उपस्थिती में कार्यक्रम आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। जिसमें सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय अनुसार दिनांक 19 अप्रैल को भगवान श्री परशुराम प्राकट्य उत्सव के उपलक्ष्य पर भव्य शोभायात्रा निकाली जायेगी। जो कि दोप 3 बजे मठ मंदिर प्रांगण में एकत्र होकर नगर के विभिन्न मार्गों से होते हुए नंदीकेश्वर धाम परशुराम भवन में संपन्न होगी। जिला अध्यक्ष दिलीप तिवारी ने सिवनी जिले के समस्त ब्राह्मण बंधुओं से आग्रह किया है कि अधिक से अधिक संख्या में अपनी गरिमामय उपस्थिति देकर शोभायात्रा को भव्यता प्रदान करें। बैठक में बड़ी संख्या में समाज के वरिष्ठ गण, युवा वर्ग एवं मातृ शक्ति की उपस्थिति रहीं।

स्कूल चलें हम अभियान अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज सिवनी। नवीन शिक्षण सत्र 2026-27 के शुभारंभ अवसर पर "स्कूल चलें हम" अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिवनी में किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही तथा विद्यार्थियों में नए सत्र को लेकर विशेष उत्साह देखा गया। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोड़िया, कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह, एसडीएम श्रीमती पूर्वी तिवारी एवं डीपीसी श्री महेश बघेल उपस्थित रहे। नगरपालिका अध्यक्ष श्री ज्ञानचंद सनोड़िया ने विद्यार्थियों को नवीन शिक्षण सत्र की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षा ही जीवन में सफलता का सबसे मजबूत आधार है।

जलाशय निर्माण कार्य पड़ा अधूरा, किसानों में भारी आक्रोश

आदिवासी बाहुल्य विकासखंड कुरई अंतर्गत ग्राम पंचायत ऐंरमा के लडैया खौली जलाशय का निर्माण कार्य वर्षों से अधूरा पड़े रहने के कारण क्षेत्र के किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। इस संबंध में ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2018 में प्रारंभ हुई यह महत्वपूर्ण जलाशय परियोजना लगभग 250 हेक्टेयर भूमि को सिंचित करने के उद्देश्य से बनाई गई थी। साथ ही, इससे आसपास के गांवों के गिरते जलस्तर में सुधार और गर्मी के मौसम में जंगली जानवरों के लिए भी पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होनी थी। इसके बावजूद आज तक निर्माण कार्य अधूरा पड़ा हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर वे पूर्व में कई बार जनसुनवाई, 181 सीएम हेल्पलाइन एवं जल संसाधन विभाग सिवनी को पत्राचार के माध्यम से अवगत करा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। बुधवार को करीब आधा सैकड़ा ग्रामीण कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और अपनी समस्या रखी। कलेक्टर ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि मामला उनके संज्ञान में है और एक सप्ताह के भीतर अधूरा निर्माण कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। ज्ञापन देने वालों में जनपद उपाध्यक्ष हरदीप सिंह भाटिया, हरीश वर्मा, फग्गलाल, नरेश चौरसिया, वीरेंद्र वर्मा, प्रेमलाल टेकाम, दिनेश वर्मा, सालकराम वर्मा, संजय उईके, दुरूप लाल भलावी, देवेंद्र वर्मा सहित अन्य ग्रामीण शामिल रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र निर्माण कार्य शुरू नहीं किया गया तो वे उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

सिवनी के युवा ने लिखी किताब अंधेरे से आगे की कहानी शब्दों में की बया

सिवनी। होनहार बिरवान के होत चीकने पात वाले मुहावरे को सही साबित करते हुए इस डिजिटल युग की तेज रफ्तार दुनिया से निकलकर युवा अब किताबों की ओर लौट रहे हैं। जो केवल पढने की आदत का नहीं बल्कि सोच में भी एक बड़े बदलाव का संकेत है। सिवनी जिला मुख्यालय के गंगानगर निवासी भुवनेश्वर शुक्ला के सुपुत्र युवा लेखक जय शुक्ला ने स्वप्रेरणा से एक किताब लिख डाली। युवा किताबों के पन्नों में ठहरने लगे हैं तो यह बदलाव सिर्फ पढने की आदत का नहीं सोच का भी है। युवा लेखक जय शुक्ला ने धुंध से रोशनी तक नामक शीर्षक की एक किताब लिखी जो अंधेरे से आगे बढ़ाने की कहानी है। जय शुक्ला का बचपन से एक सपना था कि वे अपनी फीलिंग को अपने शब्दों में लिखें और उन्होंने यह अपनी पहली किताब में किया। अमेजन में उपलब्ध इस किताब में हर उस इंसान की कहानी है जो हर दिन खुद से लड़ता है और फिर भी आगे बढ़ता है।

महिला का शव खून से लथपथ मिला

हरिभूमि न्यूज ⏭ छपारा।

छपारा थाना क्षेत्र के मुंडरई गांव के पास जंगल में एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला है। मृतका की पहचान मुंडरई गांव निवासी लाली बाई झरिया के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, लाली बाई झरिया बुधवार सुबह महुआ बीनने के लिए गांव के पास जंगल में गई थीं। जब वह काफी समय तक घर नहीं लौटीं, तो परिजनों को चिंता हुई। परिजनों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर उनकी तलाश शुरू की। खोजबीन के दौरान जंगल के अंदर एक स्थान पर लाली बाई का शव खून से लथपथ हालत में मिला। उन्होंने तत्काल छपारा पुलिस को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी खेमेन्द्र जेतवार अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की।

परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

पुलिस के अनुसार, महिला की मौत प्राथमिक तौरपर संदिग्ध प्रतीत हो रही है। शव की स्थिति को देखते हुए परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए मर्ग कायम कर लिया है और सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच कर रही है।

पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य एकत्र किए हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। शव का पंचनामा कर पीएम के लिए भेज दिया गया है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सके। प्रशासन से मामले के जल्द खुलासे की मांग

थाना प्रभारी खेमेन्द्र जेतवार ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची थी। उन्होंने कहा कि फिलहाल मर्ग कायम कर जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। लइस घटना के बाद मुंडरई गांव और आसपास के क्षेत्रों में भय तथा आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले का जल्द खुलासा कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

देशहित में छात्र आवाज़, दीपक जयहिंद टीम की स्वच्छता सुधार मांग तेज़

छात्रों की गरिमा सर्वोपरी: स्वच्छ कॉलेज के लिए दीपक जयहिंद टीम की पहल

हरिभूमि न्यूज सिवनी। शासकीय पी.जी. कॉलेज, सिवनी में स्वच्छता और बुनियादी सुविधाओं की लगातार बिगड़ती स्थिति को लेकर दीपक जयहिंद टीम, सिवनी ने आज कॉलेज प्रशासन को एक गंभीर एवं विस्तृत ज्ञापन सौंपा। टीम ने कहा कि कॉलेज परिसर में स्वच्छता व्यवस्था दिनों-दिन बदतर होती जा रही है, जिसके कारण छात्रों को भारी परेशानी और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के जोखिम का सामना करना पड़ रहा है। टीम लीडर दीपक डेहरिया ने बताया कि कॉलेज के बाथरूम की हालत अत्यंत दयनीय हो चुकी है, पानी की समस्या लगातार बनी हुई है, और नियमित सफाई न होने से दुर्गंध व गंदगी छात्रों की दिनचर्या में बाधा डाल रही है। टीम ने यह भी कहा कि किसी भी

शैक्षणिक संस्थान में स्वच्छ वातावरण का होना छात्रों के स्वास्थ्य, अध्ययन और सम्मान—तीनों के लिए अनिवार्य है।

ज्ञापन में प्रमुख चार मांगें शामिल—1 बाथरूम की तत्काल मरम्मत एवं सुधार 2 नियमित और मानक अनुसार सफाई व्यवस्था 3 पानी की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करना 4 परिसर की स्वच्छता की नियमित निगरानी टीम ने बताया कि यदि कॉलेज प्रशासन 7 दिनों के भीतर ठोस कार्रवाई करता है, तो यह सभी छात्रों के लिए बेहद राहतकारी कदम होगा। टीम ने उम्मीद जताई कि छात्र हित - राष्ट्र हितको ध्यान में रखते हुए जल्द ही प्रभावी समाधान सामने आएगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान टीम के सदस्य हर्ष सनोडिया, अर्पिता पाठक, शिव डेहरिया, श्रुति बिसेन, नीरज नामदेव, भारती मार्सकोले भी उपस्थित रहे और सभी ने एक स्वर में कॉलेज स्वच्छता सुधार अभियान के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की। टीम का संदेश: स्वच्छ कॉलेज - स्वस्थ छात्र - मजबूत राष्ट्र। समस्या सामने हो तो आवाज उठाना हर छात्र का अधिकार है।

सिवनी येलो का दबदबा विकल्प का तूफान, फैज की धार और अक्षय की कप्तानी से 140 रन की जीत

हरिभूमि न्यूज सिवनी। शहर के पॉलिटेक्निक मैदान में बीसीसी (बैनगंगा क्रिकेट क्लब) के तत्वाधान में आयोजित अंडर-19 लेदर बॉल चैंपियन ट्रॉफी में सिवनी येलो ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। टीम ने मंडला को 140 रनों से हराकर न सिर्फ बड़ी जीत दर्ज की, बल्कि लगातार तीनों मैच जीतकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल करते हुए सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है। विकल्प तिवारी की ऐतिहासिक पारी सिवनी येलो ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 255/8 रन बनाए। इस दौरान विकल्प तिवारी ने 70 गेंदों में 176 रन की विस्फोटक पारी खेलकर मैच को एकतरफा बना दिया। चौकों-छक्कों की बारिश तेज स्ट्राइक रेट विपक्षी गेंदबाज पूरी तरह बेबस उनकी यह पारी टूर्नामेंट की सबसे बड़ी हाइलाइट बन गई। फैज कबीर की घातक गेंदबाजी 255 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मंडला टीम शुरुआत से ही दबाव में रही। इस दबाव को बढ़ाने का काम किया फैज कबीर ने अपनी सटीक गेंदबाजी से। अहम मौकों पर विकेट रन गति पर पूरी तरह नियंत्रण मिडिल ओवर्स में मैच का रुख पलटा। उनकी शानदार गेंदबाजी के चलते पूरी टीम 115 रन पर सिमट गई। कप्तान अक्षय मिश्रा की शानदार रणनीति टीम की जीत में कप्तान अक्षय मिश्रा की भूमिका भी बेहद अहम रही। सटीक फील्ड सेटिंग सही समय पर गेंदबाजों का उपयोग टीम का मनोबल बनाए रखना। उनकी कप्तानी में टीम ने हर विभाग में संतुलित और आक्रामक खेल दिखाया। टीम का ऑलराउंड प्रदर्शन सिवनी येलोः 255/8 (20 ओवर) मंडलाः 115/10 (19.3 ओवर) परिणामः सिवनी येलो 140 रन से विजयी विकल्प तिवारी, फैज कबीर और अक्षय मिश्रा की तिकड़ी इस समय सिवनी येलो की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभरी है। टीम की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए वह टूर्नामेंट की प्रबल दावेदार नजर आ रही है।

बाल हनुमान के दिव्य दर्शन करने मुंगवानी सिद्ध पीठ में उमड़ा आस्था का सैलाब

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

नगर मुख्यालय से लगभग 12 किलोमीटर दूर अमरवाड़ा मार्ग स्थित प्रसिद्ध सिद्ध हनुमान मंदिर, मुंगवानी में हनुमान जन्मोत्सव का पर्व इस वर्ष एक अद्भुत और अलौकिक घटना का साक्षी बना। जन्मोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित हवन-पूजन के दौरान श्रद्धालुओं को हवन कुंड की प्रज्वलित अग्नि में हनुमान जी के बालरूप के दिव्य दर्शन हुए। इस दृश्य को देखकर उपस्थित भक्त भाव-विभोर हो उठे और पूरा मंदिर परिसर 'जय बजरंगबली' के जयघोष से गूंज उठा।

पंडित हरिप्रसाद मिश्रा के सानिध्य में संपन्न हुआ पूजन

उत्सव के सभी धार्मिक अनुष्ठान सिंघौड़ी निवासी विद्वान पंडित श्री हरिप्रसाद मिश्रा के आचार्यत्व में विधि-विधान से संपन्न हुए। पंडित जी द्वारा भगवान का जलाभिषेक किया गया, जिसमें दूध, दही, घी और शहद से बने पंचामृत से प्रभु का स्नान कराया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हुए इस पवित्र अभिषेक और विशेष श्रृंगार के दर्शन हेतु सुबह से ही भक्तों

की भीड़ उमड़ पड़ी।

हवन पूजन में दिखी अलौकिक झलक

दोपहर में आयोजित विशेष हवन के दौरान जैसे ही पूर्णाहुति दी गई, अग्नि की लपटों में बालरूपी हनुमान जी की आकृति उभरती दिखाई दी। श्रद्धालुओं ने इसे साक्षात प्रभु की उपस्थिति का संकेत मानते हुए इस दिव्य क्षण को अपने हृदय में संजो लिया। इस अद्भुत घटना की चर्चा अब पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और आस्था के साथ की जा रही है।

विशाल भंडारे के साथ हुआ समापन

पूजन और आरती के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें मुंगवानी सहित आसपास के अनेक गांवों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। मंदिर समिति एवं स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से यह जन्मोत्सव अत्यंत भव्य और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

हनुमान जन्मोत्सव पर विधायक रजनीश ने किया अभिषेक

छपारा,, हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर छपारा के बड़े बगीचा स्थित हनुमान मंदिर में दो दिन पहले से ही कार्यक्रम की शुरुआत हो गई थी 2 तारीख को सुबह 4 बजे से हनुमान जी महाराज का अभिषेक हुआ जिसमें क्षेत्रीय विधायक रजनीश सिंह ने अभिषेक पूजा अर्चन कर क्षेत्र वासियों के स्वास्थ्य, निरोग प्रगति और उन्नति की कामना की , वही हनुमान सेना के द्वारा नगर के सुभाष ग्राउंड से वाहन रैली निकालकर प्रमुख मार्गो से होते हुए बड़े बगीचा पहुंचकर रैली का समापन हुआ, इस रैली में सिवनी के विधायक दिनेश राय मुनमुन, केवलारी के विधायक रजनीश सिंह , पूर्व विधायक राकेश पाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष नवनीत सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष, सभापति, पार्षद गण और हनुमान सेना के सभी सदस्यों ने विशाल रैली में भाग लेकर के कार्यक्रम को सफल बनाया।

उत्कृष्ट विद्यालय में शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरघाट।

मध्य प्रदेश शासन स्कूल शिक्षा विभाग की निर्देशानुसार स्कूल चले हम अभियान अंतर्गत बरघाट नगर की संस्था शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में दिनांक 1 अप्रैल 2026 को प्रवेश उत्सव कार्यक्रम विधानसभा बरघाट विधायक माननीय कमल मर्सकोले के मुख्य आतिथ्य एवं आर पी पाटिल सहायक संचालक जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सिवनी की अध्यक्षता में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

मिली जानकारी के अनुसार कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के पूजन वंदन के साथ हुई तथा विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई, इसके पश्चात प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में पधारे समस्त अतिथियों का विद्यालय परिवार द्वारा पुष्प हार एवं पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया।

अतिथियों के स्वागत के पश्चात विद्यालय में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का तिलक लगाकर अभिनंदन किया गया मिष्ठान वितरण किया गया, समस्त विद्यार्थियों को निशुल्क पाठ्यपुस्तक व निशुल्क साइकिल वितरण अतिथियों के करकमलों द्वारा प्रदान की गयी।

प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में पधारे मुख्य अतिथि महोदय माननीय जी विधायक विधानसभा बरघाट द्वारा विद्यार्थियों को संबोधित किया गया तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई एवं उन्हें बेहतर भविष्य के लिए अच्छी मेहनत करने हेतु प्रेरित किया गया। साथ ही कार्यक्रम में पधारे अन्य विशिष्ट अतिथियों ने भी प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त किये। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती गोमती ठाकुर (जिला उपाध्यक्ष), श्रीमती आभा जितेंद्र राहंगडाले (अध्यक्ष जनपद पंचायत), श्रीमती इमरता साहू जी अध्यक्ष नगर परिषद , श्रीमती ममता अनिल पाठक (उपाध्यक्ष नगर परिषद), प्रितपाल सिंह बघेल (जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रकोष्ठ) सिवनी, हेमंत राहंगडाले (मंडल अध्यक्ष), असंत उइके सभापति, नवल कटरे (जनपद पंचायत विधायक प्रतिनिधि),सुजीत सूर्यवंशी (नगर परिषद विधायक प्रतिनिधि), भवानी प्रसाद बरमैया (उत्कृष्ट विद्यालय विधायक प्रतिनिधि), अनिल पाठक (सांसद प्रतिनिधि जिला चिकित्सालय सिवनी), रमन लुधियाना (मनोनीत पार्षद), प्रदीप ठाकुर (मनोनीत पार्षद),मनोहर धानेश्वर (सिविल अस्पताल विधायक प्रतिनिधि), सत्यांश भट्ट (औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान विधायक प्रतिनिधि), श्रीमती भारती विनोद रजक (सहकारिता विभाग सांसद प्रतिनिधि), दामोदर तुरकर (सहकारिता विभाग विधायक प्रतिनिधि), जय सिंह मार्को विकासखंड शिक्षा अधिकारी बरघाट, संजीव राय एपीसी जिला सिवनी एवं पार्टी पदाधिकारी गण,अन्य प्रतिनिधि गण, गणमान्य नागरिकों, पालकों तथा विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं की उपस्थिति सराहनीय रही।

शिव पार्वती जी के विवाह प्रसंग पर मन्त्र मुग्ध हुए श्रोता

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

धर्म की नगरी धारनाकला मे आयोजित शिव महापुराण कथा के पंचम दिवस कथा वाचक देवी इंजिनियर गृशा शुक्ला के द्वारा भगवान शिव की विभिन्न कथाओ के साथ आज शिव पार्वती जी के विवाह प्रसंग पर श्रोताओ को मन्त्र मुग्ध कर दिया गया देवी गृशा शुक्ला ने कथा प्रसंग मे बताया की शिव जी और माता पार्वती का विवाह शिव विवाह एक पौराणिक और अद्भुत प्रसंग है जो महा शिवरात्री के रूप मे मनाया जाता है सती के देह त्याग के बाद पार्वती के रूप मे जन्मी देवी ने कठोर तपस्या से शिव जी को प्रसन्न किया शिव जी ने भूतो पिशाचों और देवताओ की एक अनोखी बारात के साथ हिमालय के घर जाकर पार्वती के साथ विवाह किया कथा के विस्तार मे देवी गृशा शुक्ला ने बताया की सती के पुनर्जन्म के बाद माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप मे पाने के लिये कठोर तप किया शिव जी के जैसी अनोखी बारात जिसमे भूत प्रेत पिशाच नाग और सभी देवताओ को शामिल किया गया था जब शिव ने भयानक रूप धारण किया सिर पर गंगा गले मे सापं बदन पर भस्म यह देखकर माता पार्वती की माता मैना तक बेहोश हो गई थी और यह दृश्य देखकर ही माता पार्वती के निवेदन पर ही शिव जी ने एक अत्यन्त सुन्दर और दिव्य रूप धारण किया और भगवान विष्णु और अन्य देवताओ की उपस्थिति मे भगवान शिव पार्वती के विवाह सम्पन्न हुआ देवी गृशा शुक्ला ने अति महत्वपूर्ण बात बताते हुऐ कहा की यह प्रसंग भक्ति और समर्पण की चरम सीमा को दर्शाता है जहा पार्वती की निश्चल तपस्या ने शिव जी को बैराग से गृहस्थ जीवन मे लाया आज भगवान शिव की विवाह की झांकी निकाली गई तथा बडे हर्ष उल्लास के साथ भगवान शिव पार्वती का विवाह अति उमंग के साथ सम्पन्न हुआ वक्ता गृशा शुक्ला के भजनो मे भक्त जनो के पैर थिरक पडे और अति उत्साहित के साथ भक्तो तथा कथा पंडाल मे उपस्थित भक्तो ने भगवान की शिव विवाह कथा का श्रवण किया मातृ शक्ति द्वारा आयोजित शिव महापुराण मे अपार जन समुदाय तथा मातृ शक्ति प्रति दिन शिव अभिषेक के साथ कथा श्रवण कर रहे है।

विधायक राय ने हनुमान जन्मोत्सव कार्यक्रमों में किया सहभागिता

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिवनी।

गुरुवार, दिनांक 02/04/2026 को सिवनी विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन जी ने आयोजित किये गये धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों मे सहभागिता किया। आज भगवान श्री राम के अनन्य भक्त पवनपुत्र श्री हनुमान जी के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर छपारा नगर मे आयोजित विशाल वाहन रैली मे भाजपा विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन जी ने सहभागिता कर धर्मलाभ अर्जित किया। तथा कार्यक्रम मे बडी संख्या मे उपस्थित सनातन धर्मप्रेमी बंधुओं को शुभकामनाएं दिया। इसके पूर्व आपने बड़े बगीचा वाले हनुमान जी के नाम से प्रसिद्ध श्री हनुमान मंदिर मे मत्था टेका व दर्शन-पूजन कर सभी की खुशहाली, समृद्धि की कामनाएं किया। धार्मिक कार्यक्रम के पश्चात विधायक श्री दिनेश राय मुनमुन जी सिवनी नगर मे स्थित सी.एम. शापिंग मॉल पहुंचे।

कलेक्टर ने निहारा सिद्ध घाट का सौंदर्य, पत्रकारों ने क्षेत्र की ज्वलंत समस्याओं से कराया अवगत

केवलारी दौरे पर कलेक्टर शीतला पटले, सिद्धघाट व सिविल अस्पताल का किया निरीक्षण

अवैध रेत खनन और जल जीवन मिशन के कार्यों में लापरवाही पर जताई नाराजगी, कार्यवाही का दिया आश्वासन

केवलारी (सिवनी) जिला कलेक्टर शीतला पटले ने गुरुवार, 2 अप्रैल को केवलारी क्षेत्र का सघन दौरा किया। भ्रमण के दौरान उन्होंने जहाँ एक ओर प्राकृतिक पर्यटन स्थलों की संभावनाओं को टटोलते हुए विछुआ रैयत स्थित 'सिद्ध घाट' की सुंदरता की सराहना की, वहीं दूसरी ओर पत्रकारों से चर्चा के दौरान क्षेत्र में व्याप्त भ्रष्टाचार और अवैध गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई का आश्वासन भी दिया।

सिद्ध घाट बनेगा पर्यटन का केंद्रः अपने दौरे की शुरुआत में कलेक्टर पलारी और लोपा क्षेत्रों का जायजा लेते हुए विछुआ रैयत पंचायत के सिद्ध घाट पहुँचीं। वैनगंगा नदी के तट पर स्थित इस स्थल की प्राकृतिक छटा को देखकर वे

अभिभूत नजर आईं। उन्होंने कहा, सिद्ध घाट का क्षेत्र अत्यंत मनोरम है। यहाँ पर्यटन विकास की अपार संभावनाएँ हैं और इसके सौंदर्यीकरण व विकास के लिए ठोस योजना पर विचार किया जाएगा। शाम 5 बजे सिविल हॉस्पिटल केवलारी पहुँचने पर स्थानीय पत्रकारों ने कलेक्टर को क्षेत्र की गंभीर जनसमस्याओं से अवगत कराया। पत्रकारों ने मुख्य रूप से तीन बड़े मुद्दों पर प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया

जल जीवन मिशन में धांधली पत्रकारों ने आरोप लगाया कि ठेकेदारों और विभागीय अधिकारियों की मिलीभगत से मिशन में घटिया सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है और व्यापक भ्रष्टाचार व्याप्त है। रॉयल्टी चोरी का काला खेल रेत के अवैध परिवहन पर चिंता जताते हुए बताया गया कि शिवपुरी के नाम पर फर्जी रॉयल्टी काटी जा रही है। एक ही रॉयल्टी पर्ची पर 3 से 4 बार हाईवा डंपर दौड़ाकर शासन को भारी आर्थिक क्षति पहुँचाई जा रही है। वन संपदा का दोहन वन क्षेत्रों से खनिज संपदा के अवैध उत्खनन और बेशकीमती लकड़ियों की कटाई का मुद्दा भी प्रमुखता से उठा। कलेक्टर का आश्वासन दोषियों पर होगी सख्त कार्यवाही। पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कलेक्टर शीतला पटले ने स्पष्ट किया कि प्रशासन इन मामलों पर गंभीर है। उन्होंने कहा जल जीवन मिशन की शिकायतें पूरे जिले से प्राप्त हो रही हैं, जो मेरे संज्ञान में हैं। खनिज संपदा की चोरी और रॉयल्टी के फर्जीवाड़े में शामिल डंपर व हाईवा मालिकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही, वन विभाग से जुड़े मामलों पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर जल्द ही अंकुश लगाया जाएगा। उपस्थिति कलेक्टर से इस सार्थक चर्चा के दौरान वरिष्ठ पत्रकार रमाशंकर महोबिया, रफीक खान, प्रवीण दुबे और रामनरेश दुबे उपस्थित रहे। इस दौरे के बाद क्षेत्र की जनता को उम्मीद है कि लंबे समय से लंबित समस्याओं का अब त्वरित निराकरण हो सकेगा।

खनिज विभाग और पुलिस की संयुक्त दबिश

अवैध रेत उत्खनन व परिवहन पर बड़ी कार्रवाई, 6 वाहन जब्त

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण पर अंकुश लगाने के लिए खनिज विभाग और पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से सख्त कार्रवाई की जा रही है। 02 अप्रैल को खनिज विभाग एवं पुलिस द्वारा की गई कार्यवाही में 06 वाहन जब्त किये गये है।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि 02 अप्रैल को तड़के सुबह 4 बजे खनिज निरीक्षक बसंत कुमार पाटिल, सुरेश कुलस्ते एवं बालाघाट पुलिस बल ने तहसील लांजी अंतर्गत ग्राम नंदोरा स्थित सर्रा नदी में आकस्मिक जांच अभियान चलाया। जांच के दौरान सर्रा नदी में खनिज रेत का अवैध उत्खनन करते हुए 04 ट्रैक्टरों को मौके पर ही पकड़ा गया। सभी वाहनों को जब्त कर थाना लांजी परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है। ट्रैक्टर क्रमांक MP 50 ZA 1898, चालक राजकुमार, निवासी ग्राम घोटी, बिना नंबर का पावरट्रैक ट्रैक्टर, चालक मुकेश मात्रे, निवासी ग्राम कड़ता, बिना नंबर का जॉन डियर ट्रैक्टर, चालक मोहनीश दौने, निवासी ग्राम नंदोरा एवं बिना नंबर का पावरट्रैक ट्रैक्टर, चालक दुर्गेश नारनौरे, निवासी ग्राम नंदोरा को जब्त किया गया है।

उप संचालक सुश्री फरहत जहां ने बताया कि इसी कार्रवाई के तहत ग्राम नवेगांव क्षेत्र में दो हाइवा डंपरों को भी खनिज मुरूम का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया है। मुरूम का अवैध परिवहन करने पर हाइवा क्रमांक -CG -11 -AJ - 8923, चालक शेख हाशिम, निवासी सरेखा एवं हाइवा क्रमांक-GJ-08-AW-1953, चालक अफरोज खान, निवासी हीरापुर भरवेली को जब्तच किया गया है। दोनों हाइवा डंपरों को कलेक्टर कार्यालय स्थित खनिज शाखा परिसर में खड़ा कराया गया है।

प्रशासन द्वारा जब्त किए गए कुल 6 वाहनों (ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं हाइवा डंपर) पर मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन के खिलाफ इस प्रकार की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का धरना: केन्द्र की नीतियों पर विधायक मधु भगत का हमला

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस द्वारा परसवाडा में आयोजित एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन में परसवाडा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मधु भगत ने केन्द्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार की नीतियों के कारण देश में महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है और आम जनता का जीवन अत्यंत कठिन होता जा रहा है।

धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए विधायक भगत ने आरोप लगाया कि केन्द्र सरकार महंगाई कम करने के केवल झूठे आश्वासन देती है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि रसोई गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों, पेट्रोल-डीजल के दामों में लगातार हो रही वृद्धि और आवश्यक वस्तुओं की महंगाई ने आम नागरिकों की कमर तोड़ दी है। इससे मध्यमवर्ग और गरीब परिवार सबसे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

विधायक भगत ने आगे कहा कि केन्द्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार जनविरोधी नीतियों और अपरिपक्व निर्णयों के कारण आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जनता की समस्याओं से मुंह मोड़कर केवल राजनीतिक लाभ के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आज देश की जनता महंगाई से त्रस्त है, लेकिन सरकार इस गंभीर मुद्दे पर मौन साधे हुए है।

इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं स्थानीय नेताओं की उपस्थिति में धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के बाद तहसीलदार को ज्ञापन सौंपकर सरकार तक आम जनता की पीड़ा पहुंचाने का प्रयास किया गया। नेताओं ने कहा कि यह आंदोलन आमजन के अधिकारों और उनके हक की लड़ाई है, जो आगे भी जारी रहेगा।

धरना स्थल पर उपस्थित अन्य कांग्रेस वक्ताओं ने भी महंगाई के मुद्दे पर भाजपा सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि जो भाजपा पहले महंगाई को लेकर बड़े-बड़े वादे करती थी और 'महंगाई डायन' जैसे नारे लगाती थी, आज उसी के शासन में महंगाई चरम पर पहुंच गई है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार महंगाई रोकने में पूरी तरह विफल साबित हुई है और जनता का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाने का प्रयास कर रही है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और आम नागरिक मौजूद रहे, जिन्होंने बढ़ती महंगाई के खिलाफ अपनी आवाज बुलंद की। नेताओं ने स्पष्ट किया कि जब तक महंगाई पर नियंत्रण नहीं होता, तब तक उनका संघर्ष जारी रहेगा।

जिले में 3 से 7 अप्रैल तक आंधी-तूफान व हल्की बारिश के आसार

कृषि विज्ञान केंद्र ने जारी किया 5 दिवसीय मौसम पूर्वानुमान

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट जिले में आगामी दिनों में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। भारत मौसम विज्ञान विभाग, नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव को प्राप्त मध्यम श्रेणी के 5 दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में 3 से 7 अप्रैल 2026 के बीच आंधी-तूफान के साथ हल्की वर्षा होने की संभावना जताई गई है।

कृषि विज्ञान केन्द्र बड़गांव के वैज्ञानिक डॉ धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि पूर्वानुमान के अनुसार इस अवधि में हवा की गति 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक रहने की संभावना है, जिससे तेज हवाएं चल सकती हैं। इसके साथ ही अधिकतम तापमान 34.2 से 35 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 18.4 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। वायुमंडलीय नमी की बात करें तो सुबह के समय 53 से 67 प्रतिशत तथा दोपहर में 34 से 44 प्रतिशत तक नमी रहने की संभावना है। वहीं सामान्य दिनों में हवा की दिशा उत्तर-पूर्व से दक्षिण-पूर्व की ओर रहने के साथ गति लगभग 3 से 7 किलोमीटर प्रति घंटे रहने का अनुमान है।

जिला कृषि मौसम इकाई, कृषि विज्ञान केंद्र बालाघाट ने किसानों को सलाह दी है कि वे मौसम को ध्यान में रखते हुए फसलों की सुरक्षा के आवश्यक उपाय अपनाएं तथा आंधी-तूफान के दौरान सतर्कता बरतें। मौसम में संभावित बदलाव को देखते हुए प्रशासन एवं कृषि विभाग ने किसानों और आमजन से सावधानी बरतने की अपील की है।

हनुमान जयंती पर निकली पालकी यात्रा

बालाघाट। बालाघाट में गुरुवार सुबह चैत्र मास की पूर्णिमा पर हनुमान जी का प्रकटोत्सव मनाया गया। शहर के विभिन्न हनुमान मंदिरों में विशेष धार्मिक कार्यक्रम किए गए।

नगर के हनुमान चौक, काली पुतली चौक, बजरंग घाट, बूढ़ी, पंचमुखी हनुमान मंदिर और दक्षिणेश्वर हनुमान मंदिर में सुबह वेद मंत्रों के साथ भगवान हनुमान जी का सिंदूर से अभिषेक किया गया। उन्हें सिंदूरी चोला धारण कराया गया। इस दौरान मंदिरों में सुंदरकांड और हनुमान चालीसा के पाठ हुए और भगवान को भोग अर्पित किया गया।

काली पुतली चौक स्थित सिद्धपीठ हनुमान मंदिर में प्रकटोत्सव की शुरुआत रामनाम जप से हुई। सुबह 5:50 बजे हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया गया, जिसके बाद सुंदरकांड का पाठ किया गया। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट और विहिप के सहयोग से बाल हनुमान की पालकी यात्रा नगर भ्रमण के लिए निकाली गई, जो प्रमुख मार्गों से होकर दोबारा मंदिर पहुंची। इसके बाद सुबह 9 बजे से 108 हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

यहां विविध धार्मिक कार्यक्रमों के तहत प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन किया गया। पूजन और महाआरती में एसडीएम गोपाल सोनी भी शामिल हुए। उन्होंने सभी के स्वास्थ्य, भाईचारे, सामंजस्य और देश की प्रगति की कामना की।

चांगोटोला में हजरत गौस पेशावरी रहमतुल्लाह अलैह का सालाना उर्स संपन्न

अकीदतमंदों ने चढ़ाई मन्नतों की चादर ,विभिन्न कार्यक्रमों में उमड़े श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

जिला मुख्यालय से करीब 47 किमी दूर ग्राम चांगोटोला दरगाह में हर साल की तरह इस साल भी सालाना उर्स मुबारक का आयोजन किया गया।जहां हजरत बाबा मोहम्मद गौस पेशावरी रहमतुल्लाह अलैह के इस सालाना उर्स में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जहा उर्स मुबारक के इस मौके पर अकीदतमंदों ने अजीमो शान शाही संदल निकालकर बाबा के आस्ताने में अकीदत के फूल और चादर पेश कि।तो वही विशेष फातिहा का आयोजन कर अकीदतमंदों द्वारा देश मे अमन चैन शांति और आपसी भाईचारे की सामूहिक दुवाएं मांगी गई।वही अकीदतमंदों को तबरुकात तकसीम कर अन्य कार्यक्रम सम्पन्न कराए गए।वही रात्रि 9 बजे अजीमो शान कव्वाली का आयोजन किया गया।जहा कव्वाल शब्बीर सदाकत साबरी ने बाबा की शान में एक से बढ़कर एक कलाम पेश कर लोगों को मनमुग्ध कर दिया।जिसके अगले दिन कुल शरीफ की फातिहा कर इस उर्स मुबारक का समापन किया किया।

गुरुवार 2 अप्रैल 2026 ग्राम चागुटोला स्थित हजरत गौस पेशावरी रहमतुल्लाह अलैह की दरगाह पर सालाना उर्स का आयोजन बड़ी ही सादगी और धार्मिक रस्मों के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर क्षेत्र के सैकड़ों जायरीनों ने शिरकत कर अपनी मन्नतें मांगी और अकीदत पेश कि।उर्स का शुभारंभ अलसुबह कुरान ख्वानी और दरगाह शरीफ के गुस्ल की रस्म के साथ हुआ। इसके बाद दोपहर में परचम कुशाई (ध्वजारोहण) किया गया। इस दौरान पूरा परिसर 'या गौस' के नारों से गूंज उठा। उर्स के दौरान विशेष दुआ का आयोजन किया गया, जिसमें देश में शांति, आपसी भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआएं मांगी गईं।

सालाना उर्स मुबारक के मौके पर गुरुवार दोपहर गाजे-बाजे के साथ शाही संदल जुलूस निकाला गया, जो गांव के मुख्य मार्गों से होते हुए दरगाह शरीफ पहुंचा। यहाँ अकीदतमंदों द्वारा मजार-ए-मुबारक पर फूलों की चादर पेश की गई। उर्स के दौरान जायरीनों के लिए लंगर (तबर्रुक) का भी विशेष प्रबंध रहा, जहाँ सभी वर्ग के लोगों ने मिल-जुलकर प्रसाद ग्रहण किया।

वन कार्यों में चुनौतियां: श्रमिकों की कमी और समय सीमा के दबाव के बीच समाधान की तलाश

हरिभूमि न्यूज बैहर।

वन क्षेत्र में वर्तमान परिस्थितियों को लेकर हाल ही में प्रकाशित कुछ समाचारों में स्थिति का एक पक्ष ही सामने आता प्रतीत होता है, जबकि जमीनी हकीकत इससे कहीं अधिक जटिल और बहुआयामी है। वास्तविक स्थिति को समझने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान देना आवश्यक है।सबसे प्रमुख समस्या श्रमिकों की कमी की है। भीषण गर्मी, कठिन शारीरिक श्रम और जंगलों में पेयजल की अनुपलब्धता के कारण स्थानीय मजदूरों के लिए कार्य करना अत्यंत चुनौतीपूर्ण हो गया है। नदी-नालों के सूख जाने से हालात और भी कठिन हो गए हैं। इसके साथ ही वर्तमान में महुआ संग्रहण का समय होने के कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण मजदूर इस कार्य में व्यस्त हैं, जिससे वन कार्यों के लिए उनकी उपलब्धता और कम हो गई है।आर्थिक कारण भी इस स्थिति को प्रभावित कर रहे हैं। पड़ोसी क्षेत्रों, विशेषकर बड़े शहरों की ओर सीधी यातायात सुविधाओं के चलते मजदूरों का पलायन बढ़ा है, जहां उन्हें अपेक्षाकृत अधिक मजदूरी मिल रही है। ऐसे में स्थानीय स्तर पर श्रमिकों की उपलब्धता स्वाभाविक रूप से प्रभावित हो रही है।हाथ से लकड़ी कटाई का कार्य अत्यंत श्रमसाध्य होता है, विशेषकर तपती गर्मी में। यही कारण है कि इस कार्य के प्रति मजदूरों की रुचि कम होती जा रही है। दूसरी ओर, इस वर्ष प्रशासनिक स्तर पर कार्य आदेश अपेक्षाकृत विलंब से जारी हुए, जबकि कार्य पूर्ण करने की समयसीमा पूर्ववत रखी गई है। इससे सीमित समय में कार्य पूर्ण करने का अतिरिक्त दबाव उत्पन्न हुआ है।वन विभाग के कर्मचारियों पर निर्धारित समयसीमा में कार्य पूर्ण करने की जिम्मेदारी होती है। श्रमिकों की कमी के बावजूद कार्य प्रभावित न हो, इसके लिए वे विभिन्न स्तरों पर प्रयासरत हैं। कई बार परिस्थिति के अनुरूप वैकल्पिक उपायों पर विचार करना भी आवश्यक हो जाता है।हालांकि, यह भी महत्वपूर्ण है कि किसी भी प्रकार की प्रक्रिया में श्रमिकों की भूमिका अनिवार्य बनी रहती है। लकड़ी से जुड़े कई कार्य, जैसे छाल निकालना, जलाऊ सामग्री तैयार करना और अन्य प्रक्रियाएं, बिना मानव श्रम के संभव नहीं हैं।निष्कर्षतः, वर्तमान स्थिति को केवल एक पक्ष से देखना उचित नहीं होगा। यह श्रमिकों की कमी, प्राकृतिक परिस्थितियों, आर्थिक कारणों और समयसीमा के दबाव का संयुक्त परिणाम है। ऐसे में आवश्यक है कि इस विषय को संतुलित दृष्टिकोण से समझा जाए और वास्तविक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए समाधान खोजे जाएं।

महर्षि विद्या मंदिर बालाघाट में श्रद्धा, भक्ति के साथ मनाया हनुमान जयंती

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

महर्षि विद्या मंदिर, बालाघाट में हनुमान जयंती का पावन पर्व इस वर्ष अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरु परंपरा, महर्षि महेश योगी, मां सरस्वती एवं श्री हनुमान जी के छायाचित्रों पर माल्यार्पण एवं विधिवत पूजन के साथ हुआ। इस अवसर पर सहायक निदेशक श्री अमित यदुवंशी, प्राचार्य श्री सतीश कुमार चौरसिया, श्री वासुदेव भूते, श्री संदीप तोमर एवं श्री नीरज तिवारी सहित विद्यालय परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।कार्यक्रम के प्रारंभ में गुरु पूजन कर सभी ने आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव किया। इसके उपरांत भावातीत ध्यान शिक्षक श्री मनोज ज्योतिषी एवं सुनिता तिवारी के निर्देशन में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा सामूहिक भावातीत ध्यान का अभ्यास किया गया। भावातीत ध्यान सत्र के दौरान पूरे परिसर में शांति, एकाग्रता एवं सकारात्मक ऊर्जा का विशेष वातावरण निर्मित हुआ, जिससे सभी सहभागी भावविभोर हो उठे।हनुमान जयंती के इस पावन अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। संगीत शिक्षक श्री नीतेश कुमार मिश्रा के कुशल मार्गदर्शन में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों द्वारा सुमधुर भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्होंने उपस्थित जनों को भक्ति रस में सराबोर कर दिया। इसके साथ ही सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ कर भगवान हनुमान जी की स्तुति एवं आराधना की गई।कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद वितरण किया गया तथा सभी ने विश्व शांति, सुख-समृद्धि एवं मानव कल्याण की कामना की। इस सफल आयोजन में विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा। विद्यालय प्रबंधन ने कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक आयोजनों के निरंतर आयोजन की बात कही।

शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों के द्वारा सात दिवसीय शिविर का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज बैहर।

शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा के राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों के द्वारा ग्राम शाखा में सात दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर 25 मार्च से 31 मार्च 2026 तक था । जिसमें 50 स्वयंसेवक ने सहभागिता निभाई। इन सात दिवसीय शिविर में स्वयं सेवकों ने प्रत्येक दिवस अलग अलग कार्यक्रम किए । इन कार्यक्रम के माध्यम से ग्राम वाशियो को जागरूक करने का प्रयास किया और भविष्य में प्रकृति से प्राप्त वस्तुओं का सदुपयोग करने का वचन लिया। गंगा जल संवर्धन कार्यक्रम के अंतर्गत बंजर नदी में साफ सफाई किया और ग्राम वाशियो को जल की उपयोगिता बताते हुए जल को स्वच्छ रखने एवं अनावश्यक खर्च न करने के बारे में समझाया ,जल ही जीवन है , जल है तो कल है ₹। वहीं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसने शिविरार्थी के साथ - साथ ग्राम वाशियो का हैल्थ चेकअप करवाया गया । नशा मुक्ति अभियान चलाया गया जिसमें ग्राम वाशियो को नशे से होने वाली हानियों की जानकारी देते हुए इससे दूर रहने और नशा न करने का बताया गया।इसी तरह प्रत्येक दिवस अलग अलग कार्यक्रम के माध्यम से इन सात दिवसीय शिविर में ग्राम वाशियो को जन - जागरूकता,रैली, स्लोगन, नुक्कड़ नाटक इत्यादि कार्यक्रम के माध्यम से जागरूक करने का प्रयास किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के कार्यक्रम अध्यक्ष मॉडल स्कूल बिरसा के ऊर्जावान प्राचार्य सौरभ कुमार शर्मा , वन परिक्षेत्र बिरसा के सौरभ शरणागत , पूर्व तहसीलदार बिरसा राजू नामदेव सर , सेवानिवृत्त प्राचार्य श्री विजय निनावे , शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रेलवाही प्राचार्य हेमंत राना , शासकीय कन्या शिक्षा परिसर बिरसा प्राचार्य युगेश सर , जन शिक्षा केंद्र बिरसा से श्री नरेन्द्र रहांगडाले सर, विजय चौकसे एवं समस्त मॉडल स्कूल के शिक्षक उपस्थित हुए।राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम के कार्यक्रम अधिकारी श्री उम्मेद केलकर के द्वारा सात दिवसीय शिविर का विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए ग्राम की समस्याओं के निवारण के बारे में जानकारी दिया गया , एवं इस कार्यक्रम , में उपस्थित सभी आदरणीय सदस्यों, अतिथियों एवं सभी ग्राम वाशियो का आभार व्यक्त किया गया जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य समय दिया।

जल गुणवत्ता परीक्षण के लिए लालबर्रा में पंचायत सचिवों को दिया गया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज लालबर्रा। विकासखंड लालबर्रा में 02 अप्रैल को जल गुणवत्ता परीक्षण को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से 77 ग्राम पंचायतों के सचिवों एवं सहायक सचिवों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (PHE) विभाग के केमिस्ट श्री तोमर एवं बीसी श्री परमानंद ठाकरे के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को फील्ड टेस्टिंग किट (FTK) के माध्यम से जल परीक्षण की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के दौरान उपस्थित सचिवों को जल के विभिन्न मानकों की जांच एवं उसके महत्व की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।विशेष रूप से प्रतिभागियों को क्लोरीन, आयरन, फ्लोराइड एवं पीएच जैसे प्रमुख जल गुणवत्ता मानकों की जांच करना सिखाया गया, जिससे वे अपने-अपने ग्राम पंचायत क्षेत्रों में पेयजल की नियमित निगरानी कर सकें।प्रशिक्षण के उपरांत सभी ग्राम पंचायतों को FTK किट का वितरण भी किया गया, ताकि ग्रामीण स्तर पर जल स्रोतों की गुणवत्ता की नियमित जांच सुनिश्चित हो सके और आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत संचालित गतिविधियों का हिस्सा है, जिसके माध्यम से जिले में जल संरक्षण एवं स्वच्छ पेयजल के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा रही है।

पीएम श्री शास कन्या उच्च माध्य विद्यालय बूढ़ी बालाघाट में मनाया प्रवेश उत्सव

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

पी एम श्री शास कन्या उच्च माध्य विद्यालय बूढ़ी बालाघाट में स्कूल चले हम अभियान अंतर्गत प्रवेश उत्सव को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। प्रवेशोत्सव में पधारे मुख्य अतिथि बालाघाट नगर की प्रथम नागरिक भारती सुरजीत सिंह ठाकुर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद एवं उपाध्यक्ष योगेश बिसेन आप श्री के द्वारा संस्था के नव प्रवेशी बच्चों का मंगल तिलक एवं अक्षत पुष्प से अभिनंदन कर शासन की आशा अनुरूप निशुल्क पाठ्यपुस्तको का वितरण किया गया । सभी उपस्थित छात्र-छात्राओं को पीएम श्री स्कूल का बैच लगाकर स्वागत किया गया। इस उल्लास पूर्ण एवं मंगलमय वातावरण में श्री एस.के. तुरकर प्राचार्य पीएम श्री विद्यालय द्वारा संस्था की प्रारंभ से लेकर आज तक की भौतिक संरचना एवं अकादमिक प्रगति का उल्लेख अतिथियों के समक्ष रखा। कार्यक्रम का संचालन गायत्री पटले उच्च माध्य शिक्षक द्वारा एवम् मुख्य अतिथि द्वय का स्वागत प्राचार्य सहित वरिष्ठ शिक्षकों श्री अशोक गुप्ता, पूर्णा वर्मा, मनीषा श्रीवास्तव अलका धुर्वे, सपना चौहान द्वारा किया गया।

माध्यमिक शाला से हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी फिर पी एम श्री की यात्रा का वर्षवार वर्णन किया गया। मुख्य अतिथि श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बालाघाट द्वारा छात्रों में अनुशासन प्रियता एवं नोट्स बनाकर पढ़ने की आदत अपनाने हेतु सलाह दी तथा कम उम्र के छात्रों से टू व्हीलर कक्षा 12वीं तक न चलने की समझाइए दी गई।इसी क्रम में उपाध्यक्ष योगेश बिसेन द्वारा छात्रों को अवगत कराया गया कि यहां जितने भी जनप्रतिनिधि एवं शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित हैं सभी ने शासकीय विद्यालय में विद्या अध्ययन किया है और आज आप सबके समक्ष दूसरों को विद्या देने में समर्थ है ।अंत में उपस्थित पालको एवं शिक्षकों के साथ सभी छात्रों को मंगल तिलक बैच एवं पुस्तकों के सेट वितरित किए गए। इस प्रवेश उत्सव में सभी शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं एवं पालकगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।सभी ने द्वितीय अवसर परीक्षा की तैयारी एवम् नए सत्र 2026-27 हेतु कार्य योजना अनुसार लक्ष्य प्राप्ति का संकल्प लिया।